हिन्दुस्तान

गुमला रांची, गुरुवार, 25 फरवरी, 2010

41.83 करोड़ रुपए के ऋण बंटे

सिसई विधायक गीताश्री उरांव ने किया शिविर का उद्घाटन, कृषि के माध्यम से करें रोजगार के नए अवसर सृजित : एपी सिंह

संवाददाता

गुमला

जिला प्रशासन की ओर से नगर भवन में आयोजित कार्यक्रम में बुधवार को एसजीएसवाई के तहत 41.83 करोड़ की ऋण परिसंपति वितरित की गयी।

निर्धारित समय से करीब पांच घंटा विलंब से शुरू हुएं इस शिविर का उद्घाटन सिसई विधायक गीताश्री उरांव, कृषि सचिव एपी सिंह और उपायुक्त राहुल शर्मा, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अध्यक्ष पीके श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर विभिन्न बैंकों के प्रबंधक और जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे।

कृषि सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय बागवानी परियोजना और मुख्यमंत्री खुशहाली योजना निःसंदेह वर्ष 05 में खाद्यान्न के मामले में उपलब्धि महज 32 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 70 प्रतिशत हो गयी है। और यह सब कुछ संभव हुआ है राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन समेत अन्य कृषि विकास की योजनाओं से। उन्होंने कृषि के साथ जुड़े पशुपालन, गव्य विकास और मछली पालन की योजनाओं को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कृषि के माध्यम से स्वरोजगार के अवसर सृजन पर बल दिया। उन्होंने दलहन की खेती के लिए नई योजना बनायी है। साथ ही धान की खेती श्री विधि से करने का सुझाव दिया। सिसई की कांग्रेस विधायक गीताश्री उरांव ने कहा कि ऋण का पूरा फायदा उठाएं। और प्रशिक्षण हासिल कर सरकार द्वारा बतौर ऋण उपलब्ध करायी गयी पूंजी का सदुपयोग करें।

उपायुक्त ने कहा कि सरकार सभी लोगों को सरकारी रोजगार नहीं दे सकती। इसलिए स्वरोजगार के लिए एसजीएसवाई समेत अन्य योजनाओं द्वारा ऋण और परिसंपति उपलब्ध कराती है। फलस्वरूप सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार को अपनाएं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष पीके सिन्हा, डीएफओ एसके गुप्ता, एलडीएम बीके सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विचारों को रखा।

उधर शिविर में कृषि क्षेत्र में 4.47 करोड़, एमएसएमई/एएसएआई में 6.76 करोड़, ओपीएस में पांच करोड़, नन पीएसए में तीन करोड़ के ऋण वितरित किए गए। मौके पर सभी प्रखंडों के बीडीओ, विभिन्न प्रबंधकों समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

किसान मेला का उद्घाटन करती विधायक गीताश्री उरांव और मंचस्थ उपायुक्त, कृषि सचिव, एपी सिंह और अन्य। • अमरनाथ

संक्षिप्त

ऋण शिविर में झारखंड ग्रामीण बैंक का दबदबा

गुमला। जिला प्रशासन, गुमला की ओर से बुधवार को आयोजित मेगा ऋण शिविर में झारखंड ग्रामीण बैंक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और फिर एक बार साबित कर दिया कि बैंक समाज के अंतिम पायदान में खड़े लोगों को ऋण देने के लिए तत्पर है। अभी हाल में ही लोगों को बैंक की शाखाओं से जोड़ने के लिए शून्य राशि से खाता खोला गया, ताकि लोग सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया जा सकें। स्थानीय टाउन हॉल में आयोजित ऋण शिविर में बैंक के कर्मचारियों और अधिकारियों में उत्साह दिखा। शुरू में लोगों की नजरें जिधर भी गयीं उधर ग्रामीण बैंक को देखा। पूरे शिविर के दौरान ग्रामीण बैंक छाया रहा। इस बाबत ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष पीके सिंह ने बताया कि शिविर के माध्यम से सात करोड़ 16 लाख का ऋण 1087 लाभुकों के बीच वितरित किया गया। इसमें कुल 77 एसजीएसवाई का सेकेंड ग्रेडिंग किया गया। 447 किसानों को केडिट कार्ड के तहत ऋण दिया गया। वहीं पांच ट्रैक्टर, इतने ही टाटा मैजिक, दस ऑटो, एक -एक बस और ट्रक के अलावा 301 लोगों को घर-घर ज्योति के लिए ऋण दिया गया। शिविर को सफल बनाने के लिए रांची क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक एसके साहा, गुमला शाखा प्रबंधक अरुण कुमार अग्रवाल, विनोद कुमार, दिलीप कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, जनार्दन साहू, इसदोर बाड़ा, कामेश्वर उरांव आदि डटे रहे।